वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 123 गुरुवार 31 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी संभागों में जाकर टिकटों पर फीडबैक लेगी:गौरव गोगोई बोले

जादू की छड़ी से नहीं जनता के विश्वास से सरकार रिपीट होगी

कांग्रेस वॉर रूम में संभागवार नेताओं से फीडबैक, यूडीएच मंत्री धारीवाल ने भी दिया फीडबैक

जयपुर. कासं

कांग्रेस स्क्रनिंग कमेटी टिकटों को लेकर अब संभागवार जाकर बैठकें लेगी। कमेटी अध्यक्ष और मेंबर गुरुवार को उदयपुर में टिकटों को लेकर फीडबैक लेंगे। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि उदयपुर के बाद दूसरे संभागों में जाने की तैयारी है। जाकर नेताओं से मिलने की तैयारी है, इसके बाद कोटा भी जा सकते हैं। गोगोई प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गोगोई ने कहा- राजस्थान में इस बार कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी और जीत का नया इतिहास बनेगा। जादू की छड़ी से नहीं, जनता का विश्वास है इसलिए सरकार रिपीट होगी। जल्द उम्मीदवार चयन के दावों पर गौराव गोगोई ने कहा कि टिकटों की प्रक्रिया और तैयारी की रुपरेखा साझा नहीं करेंगे। टिकट चयन के मापदंडों पर कहा कि जो जीता वही सिकंदर होता है। जीतने वाले को टिकट मिलेगा। जिताऊ चेहरा ही हमारी प्राथमिकता है, उसके लिए ठोक बजाकर चयन करेंगे। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी ने बुधवार को भरतपुर, जोधपुर, कोटा और पाली संभाग के नेताओं से वन टू वन संवाद किया। कोटा संभाग से यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, विधायक रामनारायण मीणा सहित कई नेता भी वॉर रूम पहुंचे थे। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा के सियासी हालात पर चर्चा की और निष्ठावान नेताओं को टिकट देने की सलाह दी।

टिकट कटवाने वाले भी वॉर रूम पहुंचे

कांग्रेस में टिकट लेने के अलावा टिकट कटवाने वाले नेता भी वॉर रूम पहुंचे थे। सीकर के फतेहपुर से विधायक हाकम अली और जयपुर के फुलेरा से पिछली बार उम्मीदवा रहे विद्याधर चौधरी को टिकट नहीं दिए जाने की मांग को लेकर भी कई नेताओं पहुंचे थे। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) से विधायक और मंत्री सुभाष गर्ग ने भी कांग्रेस वॉर रूम जाकर फीडबैक दिया। सुभाष गर्ग ने मीडिया से बातचीत में कहा- मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार भी कांग्रेस और आरएलडी का गठबंधन होगा। टोडाभीम से कांग्रेस विधायक पीआर मीणा ने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा- पिछली बार 73 हजार वोटो से चुनाव जीता था,लेकिन इस बार 1 लाख से चुनाव जीतूंगा, अगर एकि लाख से चुनाव नहीं जीता तो शपथ नहीं लूंगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री बोले-ज्यूडिशियरी में भयंकर भ्रष्टाचार कई वकील जो लिखकर ले जाते हैं, वही जजमेंट आता है

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- आज ज्यूडिशियरी में भयंकर भ्रष्टाचार हो रहा है। मैंने सुना है कि कई वकील तो जजमेंट लिखकर ले जाते हैं। वही जजमेंट आता है। ज्यूडिशियरी के अंदर यह क्या हो रहा है? चाहे लोअर ज्यूडिशियरी हो या अपर। हालात गंभीर हैं। देशवासियों को सोचना चाहिए। गहलोत जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा- भाजपा विधायक कैलाश मेघवाल ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पर जो आरोप लगाए हैं, वो सही हैं। मुझे मालूम पड़ा है कि उनके (अर्जुन राम मेघवाल) वक्त बहुत बड़ा करप्शन हुआ था। उसे दबा दिया गया है। इन लोगों ने हाईकोर्ट से स्टे ले रखा है। इन्होंने किसी की परवाह ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पीछे पड़ते नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी, एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता हूं। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप

नहीं किया। न कभी करना चाहिए। गहलोत ने कहा- हमने कई हाईकोर्ट जज बनवाने में मदद की होगी। उन सिफारिशों की कहीं वैल्यू हुई होगी। कई जज बन गए होंगे। जज बनने के बाद मैंने जिंदगी भर उन लोगों से बात नहीं की। मैं मेरी खुद की अप्रोच रखता हूं। आज से 25 साल पहले मुख्यमंत्री हाईकोर्ट जज बनाने की रिकमेंडेशन देते थे। वो जमाना भी हमने देखा है। हम भी सांसद थे, केंद्रीय मंत्री थे। कई सिफारिशें होती थीं। गहलोत ने कहा- आरएसएस अपने चाल, चरित्र, चेहरे की बात करता था। लोग विश्वास करते थे कि आरएसएस अलग तरह का संगठन है। यह खुद कहते थे हम अलग हैं। आज उनका चाल, चरित्र, चेहरा कहां चला गया? गहलोत ने कहा- हिंदुओं के लिए जो हमने किया, वह कोई नहीं कर सकता। गाय माता के लिए हमने जो फैसले किए हैं, वह कोई नहीं कर सकता। हम गोमाता के लिए 3 हजार करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। लंपी रोग में मरने वाली गाय के लिए 40 हजार दे रहे हैं। देश में कौन दे रहा है। हम कामधेनु योजना लेकर आ रहे हैं। मंदिरों का निर्माण करवा रहे हैं। गोविंद देव जी के मंदिर में 100 करोड़ की लागत से कॉरिडोर बनवा रहे हैं।

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में रक्षाबंधन महा मंडल विधान सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

मीरा मार्ग स्थित आदिनाथ भवन में आचार्य वसुनन्दी जी महाराज के त्रय मुनिराज मुनि श्री सवार्नंद जी, जिनानंद जी एवम पुण्यानंद जी के सानिध्य में आज रक्षा बंधन महा मंडल विधान में सात सौ मुनिराजों को अर्घ्य चढ़ाए गए। साथ ही 1008 श्रेयांश नाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर श्रेयांश नाथ भगवान की पूजन कर निर्वाण कांड भाषा का वाचन कर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। समिति के मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने बताया किइस भव्य आयोजन ओर निर्वाण लाडू त्रय मुनि राजों के सानिध्य में सैकड़ो श्रद्धालुओं ने बैठकर बड़े भक्ति भाव से पूजा अर्चना की । कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री सुशील कुमार जी पहाड़िया परिवार की ओर से अपनी पोती पराश्री के प्रथम जन्मदिन के उपलक्ष्य मे सभी पूजार्थियों को शुद्ध स्वल्पाहार कराया गया। समिति के सांस्कृतिक मंत्री श्री जम्बू कुमार सोगाणी ने बताया कि आज के शुभ अवसर पर श्रमण संस्कृति संस्थान के आधार स्तंभ व मीरा मार्ग स्थित आदिनाथ जैन मंदिर के गौरव प्राचार्य शीतल प्रसाद जी को राजस्थान सरकार द्वारा पुरस्कृत कर अभिनंदन किए जाने पर संपूर्ण मीरा मार्ग जैन समाज की ओर से बधाई देकर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया गया। समिति के संयुक्त मंत्री श्री मनोज जैन ने बताया कि आगामी 10 सितंबर को आदिनाथ भवन में आयुर्वेदिक औषधालय का शुभारंभ समिति द्वारा किया जा रहा है। जिसके कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी शीघ्र ही दे दी जाएगी ।

जिन सहस्रनाम महा अर्चना समापन के साथ रक्षाबंधन महामंडल विधान संपन्न

धुलियान पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर के 2550वां निर्वाण कल्याणक महोत्सव के पुर्व बेला पर आयोजित जिन सहस्त्रनाम महा अर्चना जो पिछले 50 दिनो से चल रहा था वह विधान पुजन हवन, भक्तामर रिद्धिमन्त्र से दीप प्रज्वलन ,प्रवचन आदि के साथ समाप्त हुआ, रक्षाबंधन महामंडल विधान रचाया गया जिसमें 700 मुनियों के नाम के साथ अर्ग समर्पित किया गया, आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी ने कहा सिर्फ भाई-बहन का यह पर्व नही है, अपने जैन धरोहर, जैनत्व व साधु-संत का रक्षा करने का पर्व है, अंत में श्रेयांस नाथ भगवान का मोक्ष निर्वाण लड्डु चढ़ाया गया, आर्यिका ससंघ का धुलियान में चातुर्मास धर्म प्रभावना के साथ चल रहा है साथ ही छोटे छोटे बच्चे को धर्म की शिक्षा प्रदान कर संस्कारित किया जा रहा है ।
संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल

श्रेयांसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया। कवि नगर गाजियाबाद में मुनि श्री अनुकरण सागर जी महाराज के सानिध्य में श्रेयांसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया। इस अवसर पर 700 मुनिराजो पर आये उपसर्ग के निवारण पर रक्षाबंधन पर्व भी मनाया। इस अवसर पर 700 अर्ध चढ़ाए गए तथा निर्वाण महोत्सव के अंतर्गत निर्वाण लाडू भी चढ़ाया।

भगवान श्रेयांस नाथ का मोक्ष कल्याण दिवस धूमधाम से मनाया चढ़ाया निर्वाण लाडू

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में बिचला जैन मंदिर पर भगवान श्रेयांस नाथ भगवान का मोक्ष कल्याण दिवस धूमधाम से मनाया जिसमें भगवान श्रेयांस नाथ का मोक्ष कल्याण लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य सूरजमल नवरत्न जैन टोंग्या को मिला। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम से पूर्व दीप प्रज्वलन शिवराज चेनपूरा मोहनलाल चंवरिया एवं नन्दलाल चौधरी ने किया। कार्यक्रम में महावीर प्रसाद पराणा विष्णु बोहरा पदमचंद पीपलू हेमचंद संधी प्रेमचंद सोगानी ज्ञानचंद जैन दिनेश संधी सुरेंद्र टोंग्या विमल सोगानी पदम टोंग्या सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भगवान श्रेयांस नाथ भगवान आचार्य विशुद्ध सागर एवं मुनि शुद्ध सागर महाराज की विशेष पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मुनि शुद्ध सागर महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित किया।

साधु संतों की रक्षा के लिए रक्षाबंधन पर्व को संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया

रक्षाबंधन पर्व पर जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर भगवान श्रेयांश नाथ का मनाया मोक्ष कल्याण

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में जैन धर्म के धर्मावलंबियों द्वारा रक्षाबंधन पर्व को साधु संतों की रक्षा के लिए संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया, साथ ही जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस हर्षोउल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया की फागी कस्बे में आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी, वर्षा कालीन वाचना में धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रही है। इसी कड़ी में आज प्रातः श्री जी का अभिषेक ,शांति धारा, अष्टद्रव्यों से पूजा की गई, कार्यक्रम में रक्षा बंधन के पावन पर्व पर प्रकाश डालते हुए आर्यिका श्री सुबोध मति माताजी ने मंगलमय उद्बोधन में श्रद्धालुओं को बताया कि श्रावण शुक्ला पूर्णिमा के दिन राजा बलि द्वारा हस्तिनापुर में700 साधु -संतों पर अत्याचार किए गए थे इस अत्याचार एवं उपसर्ग को महामुनी विष्णु कुमार ने ब्राह्मण का रूप धरकर दूर किया था उन्होंने साधु संतों को आहार करवा कर स्वयं ने आहार किया था इसलिए इस दिन को जैन धर्मावलंबी रक्षाबंधन के पर्व को प्रतिवर्ष साधु संतों की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाते हैं। आर्यिका श्री ने अवगत कराया कि इसी कड़ी में महामुनि विष्णु कुमार की अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना की गई। समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं महामंत्री कमलेश चौधरी ने अवगत कराया की इसी कड़ी में श्रावकों द्वारा आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी,सुबोध मति माताजी की पिच्छिका के रक्षा सूत्र बांधा जाकर साधु संतों एवं जिनवाणी तथा जैन धर्म की रक्षा का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम जैन धर्म के श11 वें तीर्थंकर भगवान श्रेयांश नाथ का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से मोक्ष कल्याण का लाडू चढ़ाया गया। उक्त टाइम समाजसेवी कैलाश कलवाड़ा, सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल जैन कठमाना, महामंत्री विनोद कलवाड़ा, महेंद्र बावड़ी,सुरेंद्र बावड़ी, मुकेश कठमाणा, मितेश लदाना, पारस मोदी,कमलेश चौधरी, त्रिलोक जैन तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

मुनिराजों एवं श्रावकों की रक्षा का पर्व है- रक्षाबन्धन : गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में रक्षाबंधन वात्सल्य पर्व बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । पूज्य माताजी के सान्निध्य में अभिषेक , वृहद शान्तिधारा , विष्णुकुमार आदि 700 मुनियों की अष्ट द्रव्य से पूजन की गई । तत्पश्चात श्रेयांसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर 11 किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाकर विशेष पूजा की गई । धर्म एवं देव शास्त्र गुरु की रक्षा हेतु रक्षासूत्र समर्पित करके भक्तों ने धर्म की रक्षा का संकल्प किया। माताजी ने वात्सल्य पूर्ण शुभाशीष देते हुए कहा कि - मुनिराज एवं श्रावकों की रक्षा का पर्व है - रक्षाबन्धन। मुनिराजों ने श्रावकों को अधर्म से बचाकर , उनकी रक्षा की थी । रक्षाबन्धन पर्व प्रेम - भावना का उपदेश लेकर आया है । इसी दिन विष्णुकुमार मुनि ने अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों के उपसर्ग दूर करके उनकी रक्षा की थी। वात्सल्य का यह पर्व सन्देश देता है कि - घर में एक - दूसरे के प्रति मैत्री भाव बनाये । इसी से जैन संस्कृति एवं देश का संवर्धन है ।

वेद ज्ञान

जीवन में भावना ही कर्म है

हम न चाहते हुए अनेक प्रकार की भावनाओं से परिपूर्ण होते हैं और उनसे प्रेरित होकर कर्म करते हैं। हमारी भावनाएं ही विविध रूपों में हमारे समक्ष आती हैं। जो भावना जितनी शुद्ध, सरल और पवित्र होती हैं, वह भावना उतनी दूरी तक जा सकती है। यदि कोई कर्म किया जाता है, परंतु उसमें भाव नहीं है और केवल विचार है तो वह किसी को भी प्रभावित नहीं कर सकता। भगवान तक पहुंचना तो बहुत दूर की बात है। जीवन में भावना ही कर्म है। जहां पर भावना नहीं है तो कर्म मात्र क्रिया रह जाता है, जिसका प्रभाव तात्कालिक होता है। क्रिया भावना युक्त होकर कर्म लंबे वक्त तक साथ रहता है और अपना प्रभाव भी दिखाता है। यदि कोई मनुष्य किसी शेर का शिकार अपना शौक पूरा करने के लिए करता है तो उसे पाप लगता है, जो एक हत्या है क्योंकि उस मनुष्य के कर्म के पीछे निजी स्वार्थ है, परंतु यदि वही मनुष्य शेर के आतंक से भयभीत मनुष्यों की रक्षा करने के लिए अर्थात लोकहित की भावना से उस शेर की हत्या करता है तो उसे पाप नहीं लगता। जैसी हमारी भावना होती है, वैसी ही हमारी गति होती है। यदि हमारी भावना अशुद्ध है तो हमारी गति विनाशकारी होगी और यदि हमारी भावना शुद्ध है तो हमारी गति भी कल्याणकारी होगी। निष्कपट भावनाएं भगवान को अतिप्रिय होती हैं। हम अनुभव कर सकते हैं कि भावना अभिव्यक्ति पाती है। किसी व्यक्ति के हाव-भाव से उसकी भावनाओं का पता चलता है। भावनाओं से युक्त व्यक्ति संवेदनशील होता है और भावनाओं से रहित व्यक्ति पत्थर की तरह होता है। जिस तरह से जैसी प्रकृति होती है, उस व्यक्ति की भावनाएं भी उसके चारों ओर उसके अनुरूप फैलती हैं। कोई कार्य यदि दो व्यक्ति अलग-अलग भाव से कर रहे हैं तो उसके परिणाम भी अलग-अलग होते हैं। इसलिए भगवान भी भक्ति से भरे भाव को सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं, क्योंकि भावनाएं ही हैं जो भगवान तक सरलता से पहुंच सकती है। न तो व्यक्ति का शरीर ही भगवान तक पहुंच सकता है और न ही विचारधारा भगवान को प्रभावित कर सकती है।

संपादकीय

अब सबकी निगाहें आदित्य-एल 1 पर टिकी

चंद्रयान की कामयाबी के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने सूर्य की बाहरी परत का अध्ययन करने की तैयारी कर ली है। भारत पहली बार आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान सूर्य की कक्षा में भेजने जा रहा है। यह यान पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया है। यह इस बात का एक और संकेत है कि भारत न केवल अंतरिक्ष अध्ययन की दिशा में अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो गया है, बल्कि वह अंतरिक्ष यान बनाने में भी आत्मनिर्भर है। इसके लिए अब उसे दूसरे देशों का मुंह नहीं जोहना पड़ता। पहले ही उपग्रह प्रक्षेपण के मामले में भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक भरोसेमंद और किफायती तंत्र विकसित कर चुका है। दुनिया के बहुत सारे देश भारतीय प्रक्षेपण केंद्रों से अपने उपग्रह स्थापित कराने का प्रयास करते देखे जाते हैं। चंद्रयान तृतीय का प्रक्षेपण करके उसने यह भी साबित कर दिया कि वह न केवल बहुत कम लागत पर अंतरिक्ष यान तैयार कर सकता, बल्कि उसे कामयाब भी बना सकता है। ऐसे में स्वाभाविक ही आदित्य-एल1 पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। सूर्य की सतह का अध्ययन सौरमंडल के दूसरे ग्रहों की अपेक्षा इसलिए कठिन माना जाता है कि वह जलती हुई गैसों का गोला है और उसके तापमान को सहन कर सकने लायक कोई धातु विकसित करना चुनौती है। मगर अत्याधुनिक दूरबीनों और तरंगमापी यंत्रों की मदद से उसकी हलचलों का अध्ययन करना कोई मुश्किल काम नहीं है। आदित्य-एल1 को ऐसे सात यंत्रों से लैस किया गया है। यह उस बिंदु के आसपास रह कर सूर्य की हलचलों पर नजर रखेगा, जहां सूर्य और पृथ्वी के बीच गुरुत्वाकर्षण और प्रतिकर्षण बल पैदा होता है। दरअसल, सूर्य का अध्ययन इसलिए भी जरूरी लगता रहा है कि सौरमंडल का यही ऐसा ग्रह है, जिसका पृथ्वी के जीवन-जगत पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अगर सूर्य पर कोई हलचल होती है, तो उसका स्पष्ट प्रभाव पृथ्वी पर दिखने लगता है। इसलिए अब जिस तरह पृथ्वी पर जलवायु परिवर्तन का संकट गहरा होता जा रहा है, उसमें सूर्य पर हो रही गतिविधियों का अध्ययन बहुत जरूरी हो गया है। पराबैंगनी किरणों, ओजोन परत पर सूर्य की किरणों के प्रभाव आदि की गहन जानकारी जुटाना अनिवार्य हो गया है। हालांकि पृथ्वी पर सूर्य के प्रभाव को लेकर अध्ययन हजारों वर्षों से होता आ रहा है, मगर अब उस पर हो रही हलचलों और अंतरिक्ष में आ रहे असंतुलन की वजह से पृथ्वी पर जीवन के लिए बड़े संकट की आशंका जताई जाने लगी है। भारत से पहले अमेरिका, जर्मनी और यूरोपीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र बाईस बार अपने यान सूर्य मिशन पर भेज चुके हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजंसी नासा अकेले चौदह बार अपने यान भेज चुका है। उन अध्ययनों से सूर्य को लेकर काफी कुछ बातें पता चल चुकी हैं, मगर अंतरिक्ष अध्ययन में जब तक अपने जुटाए आंकड़े न हों तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचना आसान नहीं होता। फिर हर नया अनुसंधान पिछले अनुसंधानों से आगे के बिंदुओं को केंद्र में रख कर किया जाता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सेना का दखल

पाकिस्तान में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अपनी रिहाई की उम्मीद जगी थी, मगर उसके बाद एक अन्य मामले में जिस तत्परता से उन्हें हिरासत में लिया गया, उससे यही लगता है कि फिलहाल उनके लिए राहत दूर है। दरअसल, तोशाखाना मामले में गड़बड़ी के आरोप में वे अटक जेल में बंद थे, लेकिन मंगलवार को अदालत ने एक संक्षिप्त फैसले के तहत इस मामले में इमरान खान की सजा पर रोक लगा दी और उन्हें जमानत देने का भी आदेश दिया। गौरतलब है कि इस्लामाबाद की एक जिला अदालत ने तोशाखाना मामले में इमरान खान को दोषी करार दिया था और तीन साल की जेल के साथ एक लाख रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई थी। पर इसी मामले में इस्लामाबाद हाई कोर्ट का फैसला आने के बावजूद यह आशंका पहले से बनी हुई थी कि इमरान की रिहाई हो पाएगी या नहीं। इसी के मद्देनजर पाकिस्तान तहरीके-इंसाफ पार्टी की ओर से इमरान को फिर से गिरफ्तार न करने के अनुरोध वाली याचिका भी अदालत में दाखिल की गई थी। मगर इमरान को उसके तत्काल बाद वहीं की एक विशेष अदालत के एक आदेश पर उन्हें फिर हिरासत में ले लिया गया। जाहिर है, सत्ता से बाहर होने के बाद से इमरान खान को जो मुश्किलें पेश आ रही थीं, उन पर कानूनी तौर पर शिकंजा कसा जा रहा था, उसमें फिलहाल उन्हें कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। इस समूचे प्रसंग में जिस स्तर पर खींचतान चल रही है, उससे साफ है कि इमरान खान के सामने अभी चुनौतियां जटिल हैं। दरअसल, राजनीति के मैदान में होने वाले टकराव के बरक्स कानूनी कसौटी पर होने वाली लड़ाइयों में गेंद आमतौर पर सरकारों के हाथ में होती है। किस आरोप पर सख्ती से शिकंजा कसना है और किस पर कार्रवाई का रुख नरम रखना है, यह सरकार तय करती है। लेकिन मामला जब अदालत में पहुंचता है तब वहां होने वाले फैसले पर अमल के साथ एक स्पष्टीकरण या सही होने का भाव जुड़ा होता है। पाकिस्तान में इमरान खान के साथ चल रही खींचतान शायद इसी बिसात पर चलती दिख रही है। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि पाकिस्तान में सरकार के रुख में सेना कितनी हावी है और किस निर्देश में सेना का हस्तक्षेप नहीं है। अनेक मौकों पर यह सामने आता रहा है कि पाकिस्तान में सरकार के कामकाज में सेना का दखल जरूरत से ज्यादा है। बल्कि यह भी माना जाता है कि वहां अगर सरकार सेना के प्रभाव को दरकिनार कर अपनी मर्जी से कोई काम करने लगती है, राष्ट्रीय महत्त्व के फैसले करना शुरू करती है तो उसका लंबे वक्त तक टिकना मुश्किल हो जाता है। हाल ही में पाकिस्तान के ही पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह स्वीकार किया था कि उनकी सरकार शक्तिशाली सेना के समर्थन के बिना नहीं चल सकती। उनके बयान ने एक तरह से इस बात की पुष्टि की थी कि पाकिस्तान के राजनीति परिदृश्य में सेना हावी रही है। यों सत्ता में आने के बाद शुरूआती दिनों में इमरान खान खुद भी सैन्य प्रतिष्ठान की पसंद रहे, लेकिन सरकार से बाहर होने के एक साल के भीतर ही वे सेना की निगाह में दुश्मन बन गए। यही वजह है कि पाकिस्तान में इमरान खान को जेल में बंद किए जाने या रिहाई को लेकर जो जद्दोजहद चल रही है, उसे सियासी बिसात पर सेना और सरकार के समीकरण के आलोक में भी देखा जा रहा है।

जैन श्रद्धालुओं ने रक्षा सूत्र बांधकर लिया धर्म और साधुओं की सुरक्षा का संकल्प

11 वें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ स्वामी का मनाया मोक्ष कल्याणक पर्व

11 श्रावक परिवारों ने चढ़ाए निर्वाण लड्डू

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के प्रताप नगर सेक्टर 8 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में बुधवार को जैन धर्म के 11 वें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ स्वामी का निर्वाण महोत्सव एवं रक्षाबंधन (रक्षासूत्र) पर्व हर्षोल्लास व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस दौरान प्रातः 6.15 श्रीजी का कलशाभिषेक और शांतिधारा कर प्रातः 7.15 बजे मंदिर जी से मुख्य पांडाल स्थल तक भगवान श्रेयांसनाथ स्वामी को पालकी में विराजमान कर यात्रा निकाली गई। जहां पर श्रीजी को पंडुकशीला पर विराजमान कर कलाशाभिषेक किए गए और आचार्य श्री के मुखारविंद वृहद शांतिधारा की गई। पंडित संदीप जैन सेजल के निर्देशन में श्रेयांसनाथ भगवान का अष्ट द्रव्यों के साथ पूजन किया गया। इसके उपरांत मंत्रोच्चार और जयकारों के साथ भगवान श्रेयांसनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक पर्व के अवसर पर, अर्घ के साथ 11 श्रावक परिवारों द्वारा 1 किलो के 11 निर्वाण लड्डू चढ़ाये गये। इस दौरान आचार्य श्री ने कहा की ₹ आज रक्षा सूत्र पर्व है सभी श्रावक और श्राविकाओ को इसके महत्व को समझना चाहिए और धर्म, मंदिर, तीर्थों एवं साधु - सतों की सुरक्षा का भी संकल्प लेना चाहिए। जिसके बाद उपस्थित श्रावक और श्राविकाओं ने मंदिर की वेदियों, मुख्य द्वारों और आचार्य सौरभ सागर महाराज की पिच्छिका पर रक्षा सूत्र बांधकर ''धर्म, मंदिर, तीर्थ स्थलों, साधु और संतों'' की सुरक्षा का संकल्प लिया। प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां ने बताया की बुधवार को रक्षाबंधन के अवसर पर आचार्य सौरभ सागर महाराज की पूर्व की चारों बहनें विशेष आकर्षण का केंद्र रही, चारों बहनों ने सुबह जिनेन्द्र आराधना के पश्चात आचार्य सौरभ सागर महाराज की भक्ति की और रक्षा सूत्र बांधकर धर्म की रक्षा का संकल्प पूरा किया। इसके अतिरिक्त दिल्ली, हरियाणा, यूपी, एमपी से भी श्रद्धालुगण सम्मिलित हुए।

प्रेम और रक्षा की प्रेरणा देने वाला पर्व है ''रक्षाबंधन''- आचार्य सौरभ सागर जी

रक्षाबंधन के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के दर्शनों का लाभ प्राप्त किया, इस दौरान प्रातः 8.30 बजे हुई धर्म सभा में आचार्य श्री ने भक्तजनों को संबोधित करते हुए कहा की संसार का प्रत्येक प्राणी प्रेम चाहता है; क्योंकि संसार में प्रत्येक प्राणी का जन्म प्रेम से ही होता है। इसलिए प्राणी प्रेम से पलता है, प्रेम में ही जीता है। जिस व्यक्ति के जीवन से प्रेम विदा हो जाता है, वह जीते जी मुर्दे के समान हो जाता है। प्रेम एक महत्वपूर्ण वस्तु है। वह प्रेम चाहे मां का हो, बहन का हो, भाई का हो मित्र, समाज, साधर्मी, गुरु, धर्म का हो, यह प्रेम आत्मीयता को जन्म देता है। आत्मीयता से सुरक्षा का जन्म होता है, सुरक्षा के लिए संगठन तैयार होता है, जहां संगठन है, वही एकता है, वहीं शांति प्रेम का निर्मल झरना बहता है। प्रेम देहात्मक नहीं, आत्मीय होना चाहिए। देहात्मक प्रेम वासना को जन्म देता है और आत्मीय प्रेम प्रार्थना को जन्म देता है। आचार्य श्री ने आगे कहा कि नारी प्रेम की पुतली है, प्रेम का सागर है, प्रेम का आलय है, प्रेम की बदली है, उसने सदैव पृथ्वी पर प्रेम की बरसात की है, उसी प्रेम की सुरक्षा के लिए नारी प्रेम के धागे को लेकर पुरुष के समक्ष उपस्थित होती है और कलाई में धागे को बांध देती है; क्योंकि प्रेम बांधता है, सुरक्षा चाहता है, अपना बनाता है, जीवनदान देता है। धागा रत्नत्रय का प्रतीक है। परमात्मा से मिलता है। प्रेम जब वासना बनता है, तब 'अधोगमन' करता है। पूर्व कालीन समय में इस बंधन को रक्षासूत्र पर्व के रूप में मनाया जाता था किंतु आज यह रक्षा बंधन पर्व हो गया है।

भगवान श्रेयांस नाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

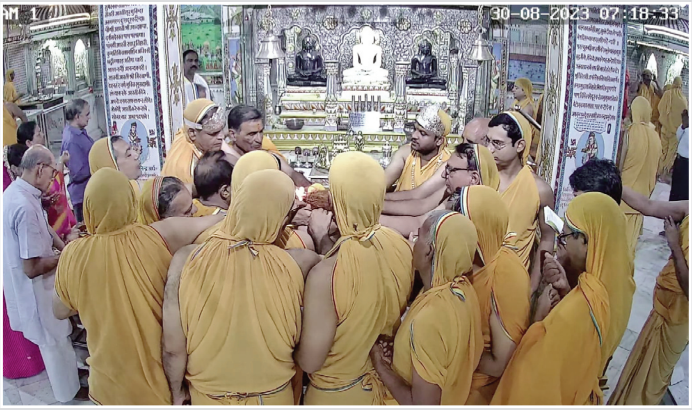

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रावण शुक्ला पूर्णिमा बुधवार दिनांक 30.08.2023 को भगवान श्रेयांस नाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ाया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि आज रक्षा बंधन के महा पर्व एवं भगवान श्रेयांस नाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर श्रद्धालुओं ने बड़े भक्ति भाव से पुजा अर्चना कर निर्वाण लाडू चढ़ाया। षोडश कारण महापर्व में 31.08.2023 से सायंकाल 7.00 बजे आरती के बाद सोलह कारण भावनाओं पर तत्व चर्चा 7.45 बजे से श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के पंडित राहुल शास्त्री के द्वारा की जाएगी।

हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में11वे तीर्थंकर भगवान श्रेयांश नाथ जी का मोक्ष कल्याण मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कार्यकारणी समिति श्री दिगंबर जैन मंदिर समिति ट्रस्ट हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में आज 11वे तीर्थंकर भगवान श्रेयांश नाथ जी का मोक्ष कल्याण निर्वाण महोत्सव पर मंदिर जी में निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य माणक चंद, सुधीर, श्रेयांश वैद परिवार ने प्राप्त किया। मुनि श्री सुधा सागर जी के आशीर्वाद से आज मंदिर में धर्म की रक्षार्थ समाज के सभी श्रद्लालुओं ने अपनी कलाई में रक्षा सूत्र बांधे। इस अवसर पर सुभाष, शांति, पवन,पंकज एवम अन्य श्रेष्टिगण मौजूद रहे। देवेंद्र छाबडा ट्रस्टी

श्रेयांस नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं रक्षाबंधन पर्व मनाया

700 श्रीफल से सात सौ मुनियो का पूजन किया। भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की

राजेश जैन अरिहंत. शाबाश इंडिया

टोंक। श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के पावन अवसर पर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश सोनी एवं मंत्री प्यारचंद जैन ने बताया कि अतिशय क्षेत्र पर प्रातः क्षीरसागर से जल लाकर भगवान का अभिषेक एवं शांति धारा की गई । तत्पश्चात शांतिनाथ भगवान का पूजन श्रेयांसनाथ भगवान का पूजन शीतलनाथ भगवान का पूजन चंद्रप्रभु भगवान का पूजन कर 700 श्रीफल से सात सौ मुनियों का विशेष पूजन किया गया ।श्रेयांसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस के अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं के जयकारों के साथ निर्वाण लड्डू एवं अष्ट द्रव्य श्री जी के चरणों में समर्पित किये इस अवसर पर प्रकाश सोनी महावीर प्रसाद अंकित शास्त्री प्रवीण कुमार टोनू आनंद प्रकाश पाटनी नरेंद्र जैन मनीष कुमार सहित सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद थे। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि श्रावण शुक्ल पूर्णिमा तिथि को विष्णु कुमार मुनिराज ने 700 महामुनिराजों पर आए घोर उपसर्ग को दूर कर उन महामुनिराजों की उपसर्ग से रक्षा की थी। तभी से श्रावक द्वारा धर्म रक्षा का यह पर्व रक्षाबंधन प्रारम्भ हुआ इस अवसर पर विष्णुकुमार महामुनिराज तथा घोर उपसर्ग विजेता 700 मुनिराजों की अत्यंत भक्ति-भाव से पूजन आराधना की गई पंडित अंकित शास्त्री ने रक्षाबंधन महापर्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रक्षाबंधन पर्व का महत्व तभी है जब हम इस अवसर पर अपने धर्म, धर्मायतनों तथा मुनिराजों, आर्यिका माताजी आदि साधुओं की रक्षा हेतु विचार करें व उनकी सेवा तथा रक्षा हेतु संकल्पित हों श्रावको ने विष्णु कुमार मुनि और अकंपाचार्य मुनि की पूजा की अतिशय क्षेत्र पर मौजूद महिलाओ ने रक्षाबंधन पर्व की कथा सुनकर व्रत रखा एवं एक दूसरे के रक्षा सूत्र बांधा इस अवसर पर शिमला जैन चन्द्रकला लाड देवी ममता लक्ष्मी विमला देवी सोना देवी ज्योति जैन शिल्पा जैन आदि मौजूद थी। अतिशय क्षेत्र के कोषाध्यक्ष मनीष बज ने बताया कि सांयकाल मंदिर में गुरुकुल के छात्रों के द्वारा 700 मुनियों, भगवान शांतिनाथ, एवं भगवान श्रेयांसनाथ की महा आरती की गई तत्पश्चात भक्तामर का पाठ।

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के डॉ. शीतल चंद जैन सम्मानित

राजस्थान सरकार ने किया सम्मानित, राजकीय संस्कृत विद्वत सम्मान समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

संस्कृत दिवस के अवसर पर राजस्थान सरकार के संस्कृत शिक्षा विभाग की ओर से बिड़ला ओडिटेरियम जयपुर में आयोजित भव्य समारोह में संस्कृत के लिए उल्लेखनीय योगदान देने के लिए संस्कृत एवं जैन दर्शन के मूर्धन्य विद्वान डॉ शीतल चंद जैन को संस्कृत विद्वत सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री डा बी डी कल्ला एवं सीएमडीसी के सलाहकार विधायक डॉ राजकुमार शर्मा राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो रामसेवक दुबे एवं अन्य विशिष्ट महानुभावों ने श्रीफल शॉल प्रशस्ति पत्र एवं 31000/की राशि से सम्मानित किया। सरस्वती के वरद पुत्र राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त दार्शनिक मनीषी विद्या वाचस्पति डॉ शीतल चंद जैन जयपुर ऐसे महामना व्यक्तित्व के घनी है जिनका सम्पूर्ण जीवन चेतन मूर्तियो के निर्माण में समर्पित हैं। आपके सम्पूर्ण व्यक्तित्व एवं कृतित्व को शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। ज्ञानदान एवं शिक्षा के क्षेत्र में आपने कुछ ऐसे विषेश कार्य किये हैं जो शताधिक बर्ष पूर्व पूज्य गणेश प्रसाद जी वर्णी के द्वारा किये गये कार्यो का स्मरण कराते हैं। इन्हीं कार्यो को दृष्टि में रखते हुए आचार्य सन्मतिसागर (दक्षिण) के प्रियाग्र शिष्य पूज्य मुनि श्री विद्यासागर जी महाराज के सानिध्य में जैन समाज जयपुर की ओर से आपको अभिनव गणेश प्रसाद वर्णी के मानद विरूद से अलंकृत किया गया है। आपने संस्कृत एवं प्राकृत परम्परा के पोषक विद्वान तैयार करने का जो स्वप्न देखा वह आगे चलकर आपके सतत प्रयासों से परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं परम पूज्य मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संस्थापित श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान संगानेर के रूप में फलीभूत हुआ। संस्था की स्थापना से अद्यावधि निदेशक के रूप में पूर्ण निष्ठा से सेवाएं प्रदान करने एवं युवा विद्वानों के सृजन में आपका महनीय योगदान है। यह सम्पूर्ण संस्कृत विद्वत जगत के लिए अभूतपूर्व उपलब्धि है आपने श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में लगभग 35 बर्षो तक प्राचार्य पद पर रहते हुए महाविद्यालय का संरक्षण एवं संवर्धन किया हैं राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में श्रमण विद्या संकाय एवं महाकवि आचार्य ज्ञानसागर जैन दर्शन पीठ की स्थापना समाज को अमूल्य देन हैं। जो जैन दर्शन के विकास के लिए प्रकाश स्तम्भ का कार्य कर रहें है। इन दोनों की स्थापना के प्रेरणा स्रोत आप ही बने और इस संकाय के अधिष्ठाता पद पर रहते हुए जैन दर्शन आदि विभागों के संरक्षण एवं पल्लवन करने का महनीय कार्य भी आपने किया है आपको महाकवि आचार्य ज्ञानसागर जैन पीठ के पीठाध्यक्ष पद पर कार्य करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है आपको जैन दर्शन एवं संस्कृत का विशेष विद्वान मानते हुए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली ने शास्त्र चूडामणि विद्वान के रूप में मनोनीत कर गौरवान्वित किया है। आपने अनेक बर्षो तक अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत परिषद् के यशस्वी अध्यक्ष एवं मानद् मंत्री के पदों को भी सुशोभित किया है।

संकलनः पं प्रद्युम्न कुमार शास्त्री मोहनवाडी जयपुर

विचित्र किन्तु सत्यः दीवान अमर चन्द जी की अहिंसक पुकार

हीरा चन्द बैद

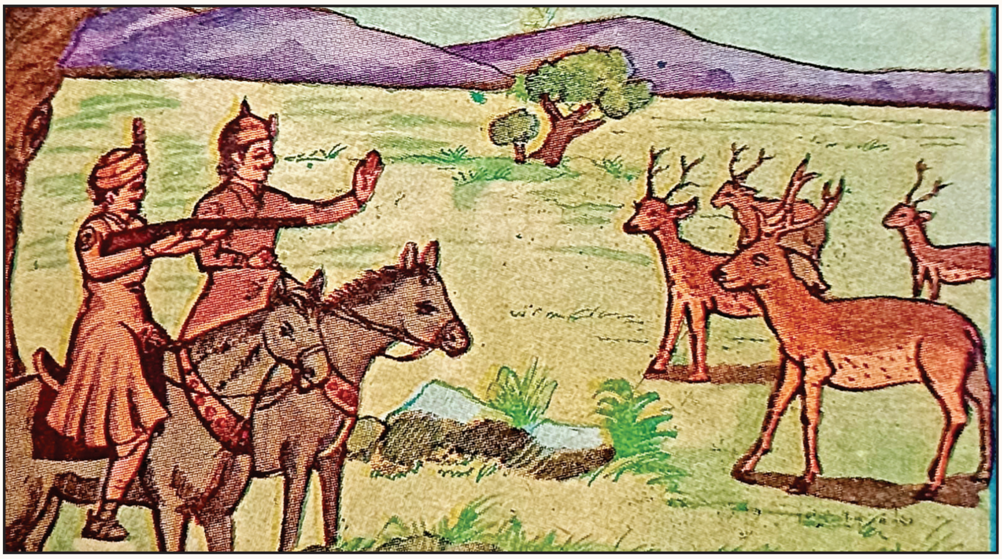

धर्म नगरी जयपुर के दिगम्बर जैन समाज का ऐसा विरला ही व्यक्ति होगा जिसने दीवान अमर चन्द जी का नाम नहीं सुना हो। जयपुर में इन्ही दीवान जी के नाम से अनेक विशाल कलात्मक दिगम्बर जैन मन्दिर, नसियां व धर्मशाला है। संवत 1860 से 1892 तक जयपुर राजदरबार के प्रतिष्ठित दीवान पद पर थे अमर चन्द जी। दिगम्बर जैन पाटनी गोत्र के अमर चन्द जी अपनी ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा के कारण दरबार (राजा) के खास सलाहकारों में सबसे अग्रणी व विश्वसनीय व्यक्ति थे। दीवान जी अपने दिगम्बर जैन धर्म के सच्चे आराधक होने के साथ ही नियमपूर्वक श्रावक के आवश्यक नियमों का पालन करते थे। हर जगह अमर चन्द जी जैसे प्रगतिशील व्यक्तियों के प्रति द्वैषता रखने वाले व्यक्तियों की कमी नहीं होती है, ऐसे व्यक्ति श्रेष्ठ व्यक्ति को हमेशा नीचा दिखाने के लिए अवसरों की तलाश में रहते हैं। एक बार राजा ने दरबार में कहा कि हम आगामी तीसरे दिन शिकार पर जायेंगे। यह सुनकर अमर चन्द जी से द्वैषता रखने वालों की तो मानो बांछे खिल गई हो, ये लोग तो अमर चन्द जी को सदैव राजा के सामने नीचा दिखाने के अवसरों की बाट जोहते थे। अगले दिन दरबार में उन्होंने राजा से कहा कि हुकुम कल आप शिकार खेलने जायेंगें परन्तु आपके साथ हमेशा शिकार पर जाने वाले मंत्री जी अपनी बेटी के विवाह के लिए अवकाश पर हैं अतः आप शिकार पर जाने का कार्यक्रम स्थगित कर दें या दीवान अमर चन्द जी को साथ ले जाएं। राजा ने भरे दरबार में अमर चन्द जी की ओर देख कर कहा दीवान जी कल आपको हमारे साथ शिकार पर मोती डूंगरी चलना है ।दीवान जी ने कहा हुकुम आप अन्य किसी को साथ लेजावें क्योंकि ऐसे हिंसात्मक कार्य में मैं नहीं चल सकता। राजा ने पुनः दरबारियों से कहा कि अमर चन्द जी जैन है ये नहीं जायेंगें अतः कोई और हमारे साथ शिकार पर चलें। दरबारियों ने कहा सरकार दीवान साहब हर कार्य में दक्ष है अतः इन्हें ही अपने साथ शिकार पर लें जावें ओर फिर अमर चन्द जी को कौनसा शिकार करना है, उन्हें तो आपके साथ ही रहना है। इस बात पर राजा ने अमर चन्द जी से कहा कि सभी की सलाह है कि दीवान साहब ही हमारे साथ शिकार पर चलेंगे अतः आप ही कल समय पर दरबार में उपस्थित हो। अमर चन्द जी से द्वैषता रखने वाले सभी दरबारी राजा के इस आदेश से बहुत खुश हो रहे थे कि आज आया है ऊंट पहाड़ के नीचे। अमर चन्द जी किंचित भी विचलित नहीं हुए वो घर पहुंच कर विचार करते रहे कि जहां राजा की आज्ञा को मानना अनिवार्य है वहीं यह मेरे धमार्नुसार कार्य नहीं है। धर्म निष्ठ व्यक्ति सदैव ही अपने आचरण में अहिंसा का भाव रखते हैं। दीवान साहब अगले दिन यथासमय दरबार में हाजिर हुए।अब राजा व दीवान साहब नेअपने अपने घोड़ों पर सवार होकर मोती डूंगरी की ओर प्रस्थान किया। जयपुर में आज के बिड़ला मन्दिर, राजस्थान विश्वविद्यालय, बापू नगर, गांधी नगर, बजाज नगर के स्थान पर बियाबान जंगल थे। राजा व अमर चन्द जी इस जंगल में पहुंच शिकार की तलाश करते हुए ऐसे स्थान पर पहुंच गए जहां हिरणों का झुंड घास चर रहा था। इस झुंड के हिरण दोनों घुड़सवारों को देखकर भागने लगे तभी दीवान अमर चन्द जी ने बहुत जोर से आवाज दी है हे मृगराजों ठहर जाओ, कहां भागे जा रहे हो ? जब प्रजा का रक्षक ही तुम्हारा भक्षक बन रहा है, तो अब किसकी शरण में जाकर अपनी रक्षा करोगे। दीवान साहब की इस करूणामयी आवाज से सभी हिरण रुक गये। यह अद्भुत व अविश्वसनीय माजरा देख कर राजा स्तब्ध रह गये उनके हाथ से बंदूक छूटकर नीचे गिर गई राजा ने घोड़े से उतर कर अहिंसा मयी जैन धर्म की जय बोल कर दीवान अमर चन्द जी से क्षमा मांगी एवं भविष्य में शिकार नहीं करने का प्रण लिया। धन्य है ऐसे धर्म परायण दीवान साहब। दीवान साहब के साथ अनेक द्वैषतापूर्ण कृत्य हुए हैं फिर कभी अवसर मिलने पर चर्चा करेंगे।

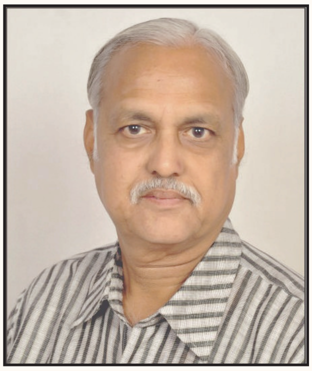

हीरा चन्द बैद
ए-21, सरदार भवन, मंगल मार्ग,
बापू नगर, जयपुर।
मोबाइलः 98281 64556

रक्षाबंधन मनाते हुये महावीर कासलीवाल परिवार त्रिवेणी नगर

निर्यापक मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

जो चीज तुम चाहते हो, तुम्हारे पास नहीं है, वो किस के पास है उसको देखकर के तुम शगुन मान लेना, जाओ तुम्हारा दिन परिवर्तित हो जाएगा। ये भावना णमोकार मंत्र से भी ज्यादा ताकतवर है

विनोद छाबड़ा 'मोनू'.शाबाश इंडिया

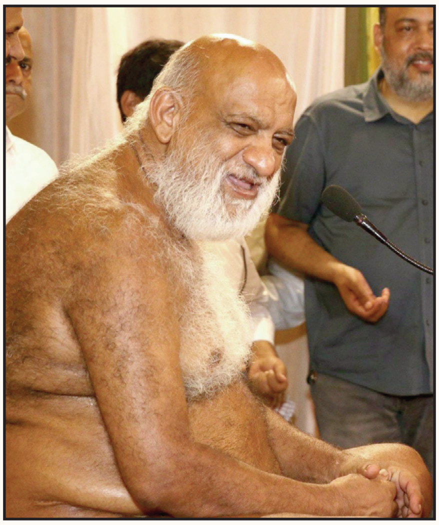

आगरा। कोई भी व्यक्ति ऐसा नही है जिसको किसी न किसी का सहयोग न लेना पड़े और उसी चीज के लिए मना किया गया है कि तुम्हे किसी का सहयोग लेना नही है, मन से, वचन से, काय से। भावना यही भाना है, पूरी ताकत लगा दो, बिना सहयोग के जीने की आदत डालो। व्यापारिक नीति है धंधा छोटा करो लेकिन कर्ज लेकर मत करो। जो पुण्यहीन है, जिनकी किस्मत साथ नही देती है उनको विशेष रूप से हिदायत है कि वे कर्जा लेकर धंधा न करे ,कर्ज लेकर मकान न बनाये, कर्जा लेकर के गाड़ी न मंगाये क्योंकि तुम्हे मालूम है तुम्हारी किस्मत बलजोर नही है। पहले अपनी किस्मत देखो तुम्हारी किस्मत कैसी है। बुरे दिन में लोन नही लेना। इस समय तुम्हारे अच्छे दिन नही चल रहे है, मजदूरी कर लो, हो सके तो भीख मांग लो लेकिन कर्जा मत करना। हर क्षेत्र में पुण्य को ठुकराओ, पुण्य के उदय में मन्दिर आओ, धर्म करो। जब तुम्हारा बहुत पुण्य का उदय हो उस समय त्याग करके त्यागी बन जाओ, उसका नाम त्यागी है। भगवान का आनंद लेना है तो भाग्यशाली बनकर के जाओ, दुभार्गे बनकर मत जाओ। भगवान के दरवाजे जो दुभार्गी बनकर जाता है उसका भाग्य कभी नही चेतता। ये जिनेंद्र भगवान पुण्यवानो के है, भाग्यवानों के है। तुम मन्दिर आये हो क्या तुम्हें महसूस है कि मैं भाग्यवान हूँ ,मेरे बराबर पुण्यात्मा कोई नही। जिस दिन तुम्हे ऐसी फीलिंग हो जाये मैं पुण्यवान, भाग्यवान हूँ उस दिन तुम मन्दिर की तरफ कदम बढ़ाना भगवान के दर्शन उस रूप में होंगे, तुम देखके दंग रह जाओगे की भगवान का ये रूप है। मन्दिर का अतिशय रोने वालो से नही बढ़ता है, मन्दिर का अतिशय हंसने वालो से बढ़ता है। आप कभी दुख में दर्शन करना आपको भगवान का दर्शन नही होगा, आपके अनुभव में दुःख आएगा। जब तुम सुखी हो और तुम्हारा साथी तुम्हे देखकर दुखी हो जाये, तुम्हे उलाहना और दे दे तुम यहाँ सुख भोग रहे हो, मैं मर रहा हूँ। समझना वो स्वार्थी है। आपको सिर दर्द हो रहा है और साथ मे तुम्हारा भाई है, पति है, पत्नी है, माँ है, बेटा है कोई भी हो उसके सोते समय तुम्हे कैसा लग रहा है। यदि आपको इतनी खुशी हो जाये कोई बात नही मैं तो दुखी हूँ, कम से कम मेरा साथी सुखी है। एक गरीब की गरीबी कब दूर होगी। मैं पूछता हूँ कि तुम्हे अमीर को देखकर कैसा लगता है। यदि तुम्हे ऐसा भाव आ जाये कि मैं भाग्यवान जो मुझे प्रतिदिन अमीर का दर्शन होता है। ऐसे भाव आने लगे तो महानुभाव छह माह में तुम्हारी गरीबी अमीरी में बदलने लग जाएगी। अपने सुख में तो दुनिया नाची है, कभी दूसरे के सुख में नाचके दिखाओ तो तुम्हारा सुख का भंडार भर जाएगा। जो चीज तुम चाहते हो, तुम्हारे पास नही है, वो किस के पास है उसको देखकर के तुम शगुन मान लेना, जाओ तुम्हारा दिन परिवर्तित हो जाएगा। ये भावना णमोकार मंत्र से भी ज्यादा ताकतवर है। अपन भगवान के गुणों को देखकर जितने जितने खुश होंगे, उतनी उतनी हमारी भगवत्ता निकट होगी, तुम्हारा मंगलाचरण शुभ होगा, शगुन मानो। साधु बनना चाहते हो, सोचो मैं भाग्यवान हूँ साधु का दर्शन कर रहा हूँ। णमोकार मंत्र पढने से भी बैरी शांत होगा हम नही कह सकते, लेकिन ये भावना भाने से ऐसा हो जाएगा सारा जगत मित्र हो जाएगा। यदि आपके हाथ मे सुखी रोटी है दिवाली के दिन, आपने इतना भर कह दिया ये कोई भोजन है दिवाली के दिन, सावधान अगले छह महीने के अंदर अंदर तुम्हारे हाथ मे वो सूखी रोटी भी नही नसीब होगी, ये पक्का है। सबसे बड़ी बद्दुआओं तुम्हारी खुद की। इतना कर देना प्रभु तेरी इतनी कृपा न जाने दुनिया में ऐसे कितने जीव है जो दिवाली के दिन सूखी रोटी भी नसीब नही है मेरे भाग्य में तो कम से कम सूखी रोटी है, थैंक्स। प्रभु को, रोटी को थैंक्स कह देना। गारन्टी मेरी है अगली दिवाली में तुम्हे तली हुई मिठाई के साथ रोटी मिलेगी। ये मंत्र, यंत्र ठगियो के काम है, मेरे पास कोई मंत्र नही है। इनसे कोई अमीर होता तो सारा जगत अमीर होता। जो तुम्हारे पास है उसको कोसना नही, बस।

संकलनः शुभम जैन 'पृथ्वीपुर'

अपन भगवान के गुणों को देखकर जितने जितने खुश होंगे, उतनी उतनी हमारी भगवत्ता निकट होगी, तुम्हारा मंगलाचरण शुभ होगा, शगुन मानो। साधु बनना चाहते हो, सोचो मैं भाग्यवान हूँ साधु का दर्शन कर रहा हूँ। णमोकार मंत्र पढने से भी बैरी शांत होगा हम नही कह सकते, लेकिन ये भावना भाने से ऐसा हो जाएगा सारा जगत मित्र हो जाएगा।

आचार्य श्री आर्जाव सागर जी ने कहा...

जिसका का कोई गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। हमारे जीवन को सही रास्ता दिखाने वाले गुरु होते हैं गुरु की दी गई सीख जीवन भर काम आती है जिसका कोई गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं गुरु आपसे कुछ लेते नहीं है बस आपके जीवन को अच्छा बनाने के लिए आपको मार्ग दर्शन देते रहते हैं हम उनके निर्देशन का लाभ लेकर श्रेष्ठ श्रावक अच्छे इंसान के साथ ही अच्छे नागरिक वनकर अपने नगर समाज देश के लिए अपना योगदान दे सकते हैं उक्त आश्य केउद्गार आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने सुभाषगंज मैदान में धर्मसभा को व्यक्त किए।

सोलह कारण विधान में होगी भगवान जिनेन्द्र देव की आराधना

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में आज से सौलह कारण पर्व प्रारंभ हो रहा है जिसमें भगवान जिनेन्द्र देव की आराधना होगी जो भी श्रावक सोलह कारण व्रत कर रहे हैं उन्हें पंचायत कमेटी ने विशेष व्यवस्था बनाई है वे सभी अग्रिम पंक्ति में बैठकर विधान में अर्घ समर्पित करेंगे जगत कल्याण की भावना भाने से तीर्थकर प्रकृति का वंध होता है सभा का संचालन करते हुए युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि तीस तारीख हम सब को बहुत विशेष होगी जब हम सब आचार्य श्री आर्जवसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में अक्पनाचार्य आदि सप्त शतक मुनि राजों की रक्षा के दिन को याद करके उनके चरणों में सात सौ श्रीफल समर्पित करेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

अपने जीवन मे संकल्प करो कि मैं सदा धर्म और धर्मात्माओ की रक्षा करूंगा क्योंकि धर्मात्माओ के बिना धर्म कहीं टिकने वाला नही है

विनोद छाबड़ा. शाबाश इंडिया

आगरा। आचार्य भगवन श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य जगतपूज्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में डेढ़ लाख से अधिक श्रीफलों द्वारा हुई वात्सल्य पर्व पर अकंपनाचार्य आदि सात महामुनिराजों की पूजन। इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग महान पुरूष ऐसे होते है जिन महानपुरुषों की चेष्टाएँ स्वयं का तो कल्याण करती ही है साथ ही सारे जगत का कल्याण करती है। कुछ वस्तुये ऐसी है जो स्वयं के लिए सुख तो देती है लेकिन जो दूसरों के लिए भी कल्याण करती है ऐसे भी दिन आते है। कुछ महापुरुषों की घटनाएं पर्व और त्यौहार का रूप ले लेते है। जब भी कोई शुभ समाचार मिले तो उसको अपने तक छुपाकर नही रखना चाहिए, तुरंत उसको जितना ज्यादा प्रचार हो सके करना चाहिए। मुनियों का दर्शन सदा मंगलकारी होता है, शगुन होता है। संवाद सज्जन लोगों से किया जाता है, दुष्टों से नहीं। शिक्षा दुष्टों को नहीं, सज्जनों को दी जाती है। एक नीति है कि दुष्ट कभी भी हो, वह दुष्ट अपना गुस्सा जो प्रथम मिलता है उस पर उतारता है, सांप यदि कभी आपका पीछा करे तो आप अपने शरीर का एक कपड़ा उतार दीजिए, फेंक दीजिये, रस्ते में उस कपड़े को वो चिथड़े चिथड़े कर देगा, उसका गुस्सा शान्त हो जाएगा। सज्जन और दुर्जन की पहचान होती है। कौन सज्जन है कौन दुर्जन है इसके लिए, सज्जन पुरूष जब बड़ो के द्वारा अपमान होता है तो उसे वो सम्मान मानता है। बड़ो से हारना अपमान नही है सम्मान है। आप सज्जन है या नही। आप खुद फैसला करे। कभी आपके पिताजी गाली दे दे, यदि आपको गाली बुरी लग रही है तो आप दुर्जन बेटे है और पिता ने गाली दी है, आपको यहाँ ऐसा लग रहा है कि आपको गाली नही दी है मेरा सम्मान किया है तो आप सज्जन बेटे है। जो जो आपके बड़े है, पूज्य होते है उनके द्वारा किया हुआ अपमान तुम्हे सम्मान लगना चाहिए तो तुम सज्जनता की कोटि में आते हो। यदि बड़ो की डांट कभी बुरी लगे तो महानुभाव आज गांठ बांध लेना तुम सबसे बड़े दुर्जन आदमी हो, तुम्हारा कल्याण नही हो सकता। दुष्ट बड़ो का अपमान बढ़ाने पर खुश होता है और स्वयं का अपमान होने पर रुस्ता है। दुष्ट की पहचान- बड़ो से जब अपमान होता है तो बुरा लगता है और बड़ो का जब अपमान होता है तो अच्छा लगता है। अनजाने को, स्त्री को, बालक को, मूर्ख को कभी किमिच्छक वरदान नही दिया जाता। अपने जीवन मे संकल्प करो कि मैं सदा धर्म और धर्मात्माओ की रक्षा करूँगा क्योंकि धर्मात्माओ के बिना धर्म कंही टिकने वाला नही है।

संकलन- शुभम जैन 'पृथ्वीपुर'

सुभाष जैन हूमड़ बने वीर सेवा संघ के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। रक्षाबंधन के पाव दिवस पर आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज की प्रेरणा एवम सानिध्य में वीर सेवा संघ वीएसएस का गठन हुआ। जिसमें सर्व सम्मति से कार्यकारिणी मैं संरक्षक एनसी जैन, सनत कुमार जैन अजमेरा, अध्यक्ष सुभाष हूमड, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश जैन गोधा, मनीष जैन शाह, मंत्री सुशील जैन शाह, सह मंत्री राकेश जैन पंचोली, पवन जैन कोठारी, कोषाध्यक्ष सुनील जैन पाटनी, सह कोषाध्यक्ष राकेश जैन पहाड़िया, संगठन मंत्री अजय जैन बाकलीवाल, सांस्कृतिक मंत्री दिलीप जैन अजमेरा, संपर्क मंत्री संजय जैन जगा, आहार-विहार मंत्री दिनेश जैन बज, प्रचार मंत्री कपिल जैन हूमड, निर्वाचित हुए। अध्यक्ष ने बताया कि शीघ्र ही कार्यकारिणी का और विस्तार किया जाएगा। भीलवाड़ा शहर ही नहीं अपितु राजस्थान, भारत और पूरे विश्व में इसके सदस्य बनाए जाएंगे। तीन प्रकार के सदस्य बनाए जाएंगे, परम संरक्षक, संरक्षक एवं सदस्य, इसका प्रधान कार्यालय श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर आर.के.कॉलोनी तरणताल के सामने भीलवाड़ा रहेगा।

दिगम्बर जैन महा समिती पश्चिम संभाग जयपुर ने मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति जयपुर पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल कुमार संघी ने बताया कि दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग ने निर्मल विवेक स्कूल, जे एल एन मार्ग (मानसिक रूप से विकलांग बच्चों का स्कूल) में निवास करने वाले बच्चों को श्रीमती सरला संघी तथा संयोजक श्रीमती रश्मि जैन ने राखी बांधकर तथा लड्डू खिलाकर रक्षाबंधन पर पर्व मनाया ।बच्चे मानसिक विकलांग होते हुए भी इतनी आत्मीयता देखते हुए अत्यंत ही भावुक हो गए थे एवं अनेक बच्चों के तो आंखों में आंसू भी आ गए थे। वास्तव में यह अत्यंत ही हृदय स्पर्शी द्रश्य था । बच्चे सभी को बार-बार अपनी राखी दिखा रहे थे । स्कूल के पदाधिकारी बनवारी लाल एवं वार्डन रेवती रमन तथा स्टाफ के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में सभी बच्चों को सुबह का भोजन भी संभाग द्वारा ही कराया गया । इस अवसर पर संभाग के उपाध्यक्ष डॉक्टर णमोकार जैन एवं कार्यकारणी सदस्य श्री अशोक जैन की गरिमामयी उपस्थित रही।

मोक्ष कल्याणक एवम रक्षाबंधन पर्व मनाया गया

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

इंदौर (एक ही दिन श्रावण शुक्ल चतुर्दशी तथा पूर्णिमा शुभ तिथि एक साथ हैं । अतः आज ११ वें तीर्थंकर देवादिदेव श्री १००८ श्रेयांसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व एवम वात्सल्य रक्षाबंधन पर्व राष्ट्र संत आचार्य श्री विहर्ष सागर महाराज के संसघ सानिध्य में मोदी जी की नसियां में बड़ी भक्ति और धुमधाम से मनाया गया और निर्वाण लाडू अर्पित किया गया । आचार्य श्री ने रक्षाबंधन का महत्व बताते हुए कहा कि आज के ही दिन श्रावण शुक्ल पूर्णिमा तिथि को विष्णुकुमार मुनिराज ने 700 महामुनिराजों पर आए घोर उपसर्ग को दूर कर उन महामुनिराजों की उपसर्ग से रक्षा की थी। तभी से श्रावकों द्वारा धर्म रक्षा का यह पर्व रक्षाबंधन मनाया जाता है। इस अवसर पर पूज्य मुनिश्री विष्णुकुमार महामुनिराज तथा घोर उपसर्ग विजेता 700 मुनिराजों की अत्यंत भक्ति-भाव से पूजन आराधना करना चाहिए। आचार्य श्री ने पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि रक्षाबंधन पर्व का मुख्य महत्व तभी है जब हम इस अवसर पर अपने घर्म, धर्मायतनों तथा मुनिराजों, आर्यिका माताजी आदि साधुओं की रक्षा हेतु द्रण संकल्पित हों और विचार करें व उनकी सेवा तथा रक्षा हेतु जीवन पर्यन्त तैयार रहें । जब तक सुरज चांद रहेगा तब तक मुनियों का सम्मान रहेगा । नमोस्तु शासन जयवंत हो। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर रक्षा सूत्र राखी सजाओं प्रतियोगिता भी रखी गयी। इसमें महिलाओं ने बड चढ़कर हिस्सा लिया । इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज सामाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, योगेन्द्र काला, पारस पांड्या, नीरज मोदी, पवन जैन पुर्व पार्षद आदि सैकड़ों की संख्या में समाज जन उपस्थित हुए ।

जैन धर्मावलंबियों ने साधु-संतो की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाया रक्षाबंधन पर्व

जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मनाया मोक्ष कल्याणक-चढाया निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्मावलंबियों द्वारा श्रावण शुक्ला पूर्णिमा बुधवार ,30 अगस्त को रक्षाबंधन के पर्व को धर्म एवं साधु संतों की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाया इस मौके पर जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढाया गया । साथ ही दिगम्बर जैन धर्म के प्रसिद्ध संत श्री विष्णु कुमार महामुनि द्वारा हस्तिनापुर में 700 जैन मुनियों के उपसर्ग को दूर कर मुनियों की रक्षा करने के उपलक्ष्य में महामुनि विष्णु कुमार की विशेष पूजा-अर्चना की गई । राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा 'के अनुसार श्रावण शुक्ला पूर्णिमा के दिन राजा बलि द्वारा हस्तिनापुर में 700 साधु-संतों पर अत्याचार किये गये थे। इस अत्याचार एवं उपसर्ग को महामुनि विष्णु कुमार ने ब्राह्मण का रुप धरकर दूर किया था। उन्होंने साधु-संतों को आहार करवाकर स्वयं ने आहार किया था। इसलिए इस दिन को जैन धर्मावलंबी रक्षाबंधन के पर्व को प्रति वर्ष साधु-संतों की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाते हैं। इस मौके पर दिगम्बर जैन संतों के चातुर्मास स्थलों पर एवं शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में महामुनि विष्णु कुमार की अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई । जैन श्रावको द्वारा आचार्यों, मुनिराजो, आर्यिका माताजी की पिच्छिका के रक्षा सूत्र बांधा जाकर साधु संतों व जिनवाणी तथा जैन धर्म की रक्षा का संकल्प लिया गया । इस मौके पर साधु संतों के विशेष प्रवचन हुए जिसमें धर्म रक्षा पर जोर दिया गया। श्री जैन के मुताबिक इसी दिन जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर

भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया ।मंदिरों में प्रातः भगवान के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की गई । पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा का सामूहिक उच्चारण करते हुए मंत्रोच्चार के साथ मोक्ष कल्याणक श्लोक " गिरि समेदतै पायो, शिवथल तिथि पूर्णमासी सावन को। कुलिशायुध गुनगायो, मै पूजो आप निकट आवन को "। का उच्चारण कर जयकारों के बीच मोक्ष कल्याणक अर्घ्य एवं निर्वाण लाडू चढाया गया । श्री जैन के मुताबिक दिल्ली रोड पर जयसिंहपुरा खोर के दिगम्बर जैन मंदिर में मूलनायक भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया । श्री जैन ने बताया कि पदमपुरा में आचार्य चैत्य सागर महाराज ससंघ, प्रतापनगर में आचार्य सौरभ सागर महाराज , श्योपुर प्रतापनगर में आचार्य विनीत सागर महाराज, बरकतनगर के णमोकार भवन में आचार्य नवीन नन्दी महाराज, आमेर में उपाध्याय ऊर्जन्तसागर महाराज, मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि सवानंद,मुनि पुण्यानन्द,मुनि जिनानन्द, बगरु में गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी, जनकपुरी दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका विशेष मति माताजी, बीलवा के नांगल्या स्थित विमल परिसर में गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी ससंघ के सानिध्य में रक्षाबंधन पर्व पर विशेष आयोजन किये गये ।